

आज मोहे काम जरूरी लंका में जावण दे लिरिक्स



आज मोहे काम जरूरी,
लंका में जावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे। **bd।**

रामचन्द्र घर सीता नारी,
हर ले गयो रावण बलकारी,
उसको कहूं मेरी माता री,
पतो लगावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे। **bd।**

इसी काज लंका में जाता,
सीता की सारी सुध लाता,
रामचन्द्र जी का हुकम बजाता,
हुकम बजावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे। **bd।**

चाहे वचन लेले मेरे से,
उलटा चाल आंऊ तेरे से,
किरपा करदे चरण तेरे से,
हाल सुणावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे। **bd।**

हनुमत कहिये ऐसी बाणीं,
सुरसा चित पे एकन मानी,
रुडचंद कहता सहलानी,
हरी गुण गावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे। **bd।**



आज मोहे काम जरूरी,
लंका में जावण दे,
आज मेरे काम जरूरी,
लंका में जावण दे।bd।

स्वर – राजू स्वामी।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा।
9024909170
